Amar Ujala 07 Sep 2018

समयसीमा हुई खत्म चाहिए 852 हेक्टेयर 805 पर बनी सहमति

जमीन के लिए किसानों से सहमति लेते विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह।

अमर उजाला ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा/जेवर। जेवर में एयरपोर्ट की जमीन के लिए किसानों से सहमति लेने की समयसीमा बृहस्पतिवार को खत्म हो गई। आखिरी दिन 125 किसानों ने 658 बीघा जमीन पर सहमति दी है। अब तक 2291 किसान 805 हेक्टेयर जमीन देने को राजी हो गए हैं। इस तरह 70 फीसदी किसानों से सहमति के करीब आंकड़ा पहुंच गया है। जेवर विधायक बृहस्पतिवार को भी किसानों से सहमति लेने में जुटे रहे। दरअसल, प्रशासन ने 6 सितंबर तक सहमति की तिथि तय की थी। किसानों से जरूरी 70 फीसदी सहमति नहीं मिल पाई है। संभावना है कि यह तिथि और बढ़ जाए।

हालांकि, प्रशासन का कहना है कि शासन से निर्देश मिलने पर ही समयसीमा बढ़ाई जाएगी। एयरपोर्ट के प्रथम चरण के लिए लगभग 8000 किसानों से 1334 हेक्टेयर जमीन की आवश्यकता है, जिसमें से 116 हेक्टेयर जमीन सरकारी है बची हुई 1218 हेक्टेयर जमीन का 70 फीसदी करीब 852 हेक्टेयर होता है

2291 किसान अब तक हो गए हैं सहमत

125 किसान 658 बीघा जमीन देने पर आखिरी दिन राजी

जेवर विधायक बोले, दो दिन में 70 फीसदी सहमति पूरी होने की उम्मीद

जिसमें से अभी तक 2291 किसानों ने 805 हेक्टेयर के लिए ही सहमति दे दी है। यदि सहमति के लिए दोबारा से समय सीमा नही बढ़ाई गई तो जेवर में प्रस्तावित एयरपोर्ट प्रोजेक्ट खटाई में पड़ सकता है। हालांकि, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह एक सप्ताह से किसानों के बीच गांव-गांव जाकर वार्ता कर रहे हैं, जिसके बाद बड़ी संख्या में किसान सहमति देने के लिए आगे भी आए हैं। विधायक का कहना है कि दो दिनों में किसानों से बातचीत कर सहमति ले ली जाएगी। वे बृहस्पतिवार को दयानतपुर गांव पहुंचे। करीब 240 बीघा जमीन पर किसानों से सहमति प्राप्त की।

एयरपोर्ट पर 2291 किसान सहमत

ग्रेटर नोएडा। जेवर एयरपोर्ट के लिए अब तक 2291 किसानों ने 805 हेक्टेयर जमीन देने के लिए सहमति दे दी है।

जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह के प्रयास के बाद नंगला जहानु, दयानतपुर के किसान अख्तर खान, कंचन खान, जयवीर खान व जंग बहादुर खान ने 200 बीघा जमीन के लिए सहमति पत्र दिए हैं। विधायक ने दयानतपुर गांव में पहुंचकर लगभग 240 बीघा जमीन के सहमति पत्र किसानों से प्राप्त किए। विधायक ने किसानों को समझाया कि क्षेत्र के लिए इस सदी का ये नायाब प्रोजेक्ट है, जो हमारे जीवन स्तर तथा क्षेत्र की खुशहाली के लिए रास्ता बनाएगा। विधायक ने भरोसा दिलाया कि विस्थापन के लिए पर्याप्त सुविधाएं दिलाना मेरा काम होगा। प्रभावित परिवारों के लिए अच्छे कार्य होंगे।

Hindustan Noida 07 Sep 2018

Dainik Jagran Noida 07 Sep 2018

एयरपोर्ट को 805 हेक्टेयर जमीन की मिली सहमति

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: जेवर एयरपोर्ट की जमीन अधिग्रहण के लिए बृहस्पतिवार 114 किसानों ने सहमति दी। जमीन अधिग्रहण के लिए छह सितंबर तक 2291 किसान 805 हेक्टेयर जमीन के लिए अपनी सहमति दे चुके हैं। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने दयानतपुर पहुंचकर करीब 240 बीघा जमीन के लिए किसानों के सहमति पत्र लिए। नंगला जहानू के जिन किसानों की जमीन दयानतपुर में आ रही थी, उन किसानों ने भी विधायक को सहमति पत्र सौंपे।

इस मौके पर विधायक धीरेंद्र सिंह ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट क्षेत्र के लिए इस सदी की सबसे अहम परियोजना साबित होगी। जीवन स्तर बेहतर होने के साथ खुशहाली का रास्ता साफ होगा। उन्होंने भरोसा देते हुए कहा कि विस्थापन से प्रभावित दुकानदार, पशु पालकों, कुटीर उद्योग चलाने वालों को सुविधाएं मुहैया कराने की जिम्मेदारी पूरी की जाएगी। उन्होंने कहा कि किसान बगैर किसी शंका के आगे आकर जमीन अधिग्रहण पर अपनी सहमति दें। विधायक ने बताया कि बृहस्पतिवार तक 2291 किसान 805 हेक्टेयर जमीन के लिए अपनी सहमति दे चुके हैं। यह आंकड़ा जमीन अधिग्रहण के लिए ली जाने वाली सहमति के करीब है। हालांकि जमीन अधिग्रहण के लिए सहमति लेने की समय सीमा बृहस्पतिवार को समाप्त हो गई है। प्रशासन के समय सीमा को आगे बढ़ाने की संभावना है।

Focus Awaz Noida 07 Sep 2018

जमीन के लिए आ रही सहमति ने खोले जेवर एयरपोर्ट के निर्माण के रास्ते

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह का प्रयास ला रहा है रंग

शफी मो. सैफी।

ग्रेटर नोएडा। नगला जहानु निवासी, दयानतपुर के किसान अख्तर खांन, कंचन खांन, जयवीर खांन व जंग बहादुर खांन ने जेवर विधायक को सौंपे जेवर एयरपोर्ट के लिए लगभग 200 बीघा जमीन के सहमति पत्र जैसा कि विदित ही है कि जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह के आह्वान पर क्षेत्र के किसानों व सामाजिक प्रभाव रखने वाले लोगों ने जेवर में बनने वाले एयरपोर्ट की जद में आ रहे 06 ग्रामों के किसानों को, अपनी जमीनें दिये जाने के लिए सहमति दिये जाने की मुहिम चलाई हुई है, उसी क्रम में गुरुवार को जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने दयानतपुर गांव में पहुँचकर लगभग 240 बीघा जमीन के सहमति पत्र किसानों से प्राप्त किये, उसी प्रकार नगला जहानु निवासी, जिनकी जमीन दयानतपुर के जंगल में आ रही है, किसानों के सहमति

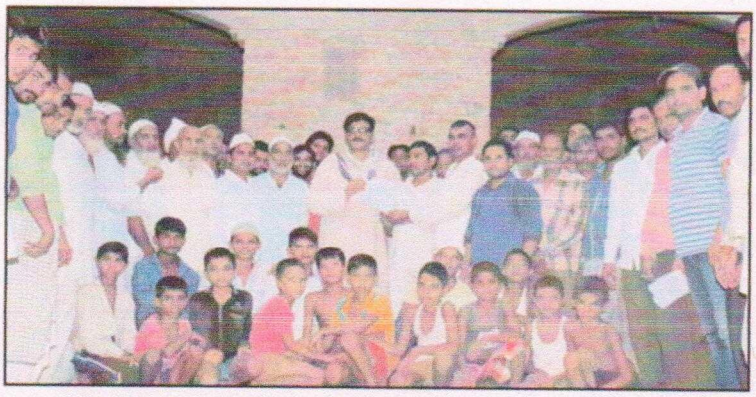

पत्र प्राप्त किये। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने किसानों को समझाते हुए बताया कि "इस क्षेत्र के लिए, इस सदी का ये एक नायाब प्रोजेक्ट है, जो हमारे जीवन स्तर तथा क्षेत्र की खुशहाली के लिए एक रास्ता बनायेगा, इसलिए मन में कोई शंका न रखते हुए, सभी को इस मौके का फायदा उठाते हुए, एयरपोर्ट के निर्माण के लिए आगे आना चाहिए। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आगे बताया कि "गांव में रहने वाले छोटे दुकानदार, पशु पालक व कुटीर उद्योग करने वाले लोगों के विस्थापन के लिए पर्याप्त सुविधायें दिलाना मेरा काम होगा तथा कोई भी मजदूर व किसान यह न समझे कि विस्थापन व पुनर्स्थापना के लिए उन्हें कुछ नही मिलेंगे। मेरा पूर्ण प्रयास होगा कि प्रभावित परिवारों के उत्थान के लिए मैं बेहतर कार्य करूं।" समाचार भेजे जाने तक प्रशासन व यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण से प्राप्त आंकडों के अनुसार 114 किसानों ने लगभग 528 बीघा जमीन पर सहमति दी है तथा मेरे कार्यालय में भी, 04 किसानों के लगभग 130 बीघा जमीन के प्रपत्र सहमति प्राप्त होकर आ चुके हैं। अब तक कुल मिलाकर 2291 किसानों ने 805 हैक्टेयर जमीन देने के लिए सहमति दे चुके हैं।

Dainik Chandrhar Times Noida 07 Sep 2018

दैनिक
चन्द्रहार टाइम्स

जेवर से खुलेगा उत्तर प्रदेश के विकास का रास्ता

नोएडा। नगला जहानु निवासी, दयानतपुर के किसान अख्तर खांन, कंचन खांन, जयवीर खांन व जंग बहादुर खांन ने जेवर विधायक को सौंपे जेवर एयरपोर्ट के लिए लगभग 200 बीघा जमीन के सहमति पत्र। जैसा कि विदित ही है कि जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह के आह्वान पर क्षेत्र के किसानों व सामाजिक प्रभाव रखने वाले लोगों ने जेवर में बनने वाले एयरपोर्ट की जद में आ रहे 06 ग्रामों के किसानों को, अपनी जमीनें दिये जाने के लिए सहमति दिये जाने की मुहिम चलाई हुई है, उसी क्रम में जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने दयानतपुर गांव में पहुँचकर लगभग 240 बीघा जमीन के सहमति पत्र किसानों से प्राप्त किये, उसी प्रकार नगला जहानु निवासी, जिनकी जमीन दयानतपुर के जंगल में आ रही है, किसानों के सहमति पत्र प्राप्त किये। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने किसानों को समझाते हुए बताया कि "इस क्षेत्र के लिए, इस सदी का ये एक नायाब प्रोजेक्ट है, जो हमारे जीवन

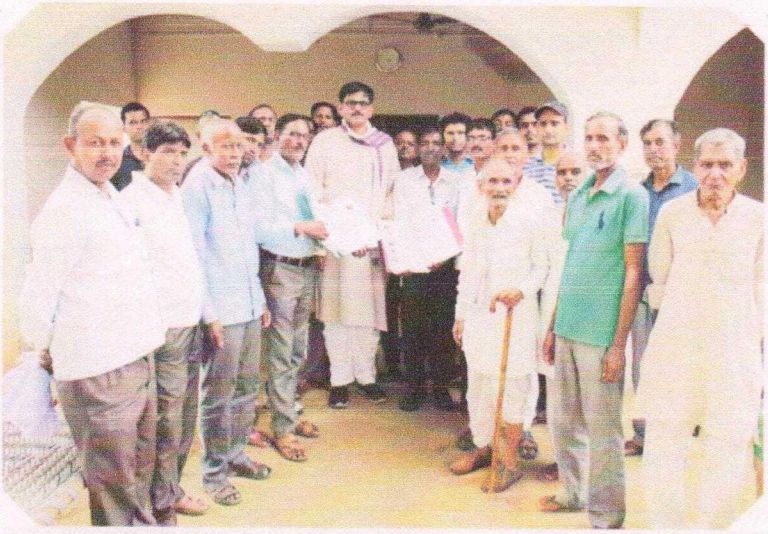

स्तर तथा क्षेत्र की खुशहाली के लिए एक रास्ता बनायेगा, इसलिए मन में कोई शंका न रखते हुए, सभी को इस मौके का फायदा उठाते हुए, एयरपोर्ट के निर्माण के लिए आगे आना चाहिए।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आगे बताया कि "गांव में रहने वाले छोटे दुकानदार, पशु पालक व कुटीर उद्योग करने वाले लोगों के विस्थापन के लिए पर्याप्त सुविधायें दिलाना मेरा काम होगा तथा कोई भी मजदूर व किसान यह न समझे कि विस्थापन व पुनर्स्थापना के लिए उन्हें कुछ नही मिलेंगे। मेरा पूर्ण प्रयास होगा कि प्रभावित परिवारों के उत्थान के लिए मैं बेहतर कार्य करूं।" समाचार भेजे जाने तक प्रशासन व यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण से प्राप्त आंकडों के अनुसार 114 किसानों ने लगभग 528 बीघा जमीन पर सहमति दी है तथा मेरे कार्यालय में भी, 04 किसानों के लगभग 130 बीघा जमीन के प्रपत्र सहमति प्राप्त होकर आ चुके हैं। अब तक कुल मिलाकर 2291 किसानों ने 805 हैक्टेयर जमीन देने के लिए सहमति दे चुके हैं।

NBT Noida 07 Sep 2018

जेवर एयरपोर्ट के लिए जमीन पर 2291 किसानों ने दी सहमति

सहमति देने का अंतिम दिन बीता, समय बढ़ने पर संशय

■प्रमुख संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

जेवर में प्रस्तावित एयरपोर्ट के लिए 9157 में से 2291 किसानों ने जमीन देने के लिए सहमति दे दी है। यह कुल किसानों का करीब 25 प्रतिशत है। विधायक धीरेंद्र सिंह का कहना है कि एक-एक किसान की कई कई गांवों में जमीन है। इसके कारण किसानों की संख्या अधिक दिख रही है। यह वास्तव में करीब 4 हजार है, जिसमें हम लगभग 50 प्रतिशत किसानों से 60 प्रतिशत से अधिक जमीन की सहमति ले चुके हैं।

उन्होंने दावा किया है कि अगले दो दिन में 70 प्रतिशत से अधिक किसानों की सहमति मिल जाएगी। उधर गुरुवार को सहमति देने का अंतिम दिन था, लेकिन इसे बढ़ाने के बारे में प्रशासन ने जानकारी से इनकार किया है। ऐसे में एयरपोर्ट को लेकर स्थिति उलझ

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कई किसानों से सहमति पत्र लिए

सकती है। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने गुरुवार को नगला जहानु व दयानतपुर गांव में बैठक कर एयरपोर्ट के फायदे बताए और जमीन को लेकर उनकी सहमति ली।

विधायक ने बताया कि प्रशासन व यमुना अथॉरिटी से मिली सूचना के अनुसार गुरुवार देर शाम तक 2291 किसानों ने 805 हैक्टेयर जमीन देने की सहमति दे दी है। पहले चरण में 1336 हैक्टेयर जमीन चाहिए। एयरपोर्ट बनवाने के लिए वह अभी किसानों से सहमति लेते रहेंगे।

उधर इस मामले में डीएम बी. एन. सिंह का कहना है कि सहमति की तारीख को लेकर शासन से फैसला लिया जाएगा। उसके बाद ही आगे कुछ कहा जा सकता है।

Punjab Kesari Noida 07 Sep 2018

एयरपोर्ट के लिए 118 और किसानों ने दी सहमति

ग्रेटर नोएडा,(पंजाब केसरी): गुरुवार को जेवर एयरपोर्ट परियोजना के लिए 118 किसानों ने ओर सहमति दे दी है, जिसके बाद 805 हेक्टेयर पर किसानों की सहमति मिल चुकी है। गुरुवार को 118 किसानों ने जेवर एयरपोर्ट परियोजना के लिए अपनी जमीन देने के लिए रजामंदी दी, जिसके बाद जिला प्रशासन व यमुना प्राधिकरण को 805 हेक्टेयर पर किसानों की सहमति मिल चुकी है, जिसके बाद एयरपोर्ट परियोजना बनने का रास्ता साफ हो गया है।

Jai Hind Janab 07 Sep 2018

जेवर से खुलेगा उत्तर प्रदेश के विकास का रास्ता

सिटी रिपोर्टर

जेवर। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह के आह्वान पर क्षेत्र के किसानों व सामाजिक प्रभाव रखने वाले लोगों ने जेवर में बनने वाले एयरपोर्ट की जद में आ रहे 06 ग्रामों के किसानों को, अपनी जमीनें दिये जाने के लिए सहमति दिये जाने की मुहिम चलाई हुई है, उसी क्रम में 6 सितम्बर को जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने दयानतपुर गांव में पहुँचकर लगभग 240 बीघा जमीन के सहमति पत्र किसानों से प्राप्त किये, उसी प्रकार नगला जहानु निवासी, जिनकी जमीन दयानतपुर के जंगल में आ रही है, किसानों के सहमति पत्र प्राप्त किये। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने किसानों को समझाते हुए बताया कि इस क्षेत्र के लिए, इस सदी का ये एक नायाब प्रोजेक्ट है, जो हमारे जीवन स्तर तथा क्षेत्र की खुशहाली के लिए एक रास्ता बनायेगा, इसलिए मन में कोई

शंका न रखते हुए, सभी को इस मौके का फायदा उठाते हुए, एयरपोर्ट के निर्माण के लिए आगे आना चाहिए। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आगे बताया कि ''गांव में रहने वाले छोटे दुकानदार, पशु पालक व कुटीर उद्योग करने वाले लोगों के विस्थापन के लिए पर्याप्त सुविधायें दिलाना मेरा काम होगा तथा कोई भी मजदूर व किसान यह न समझे कि विस्थापन व पुनर्स्थापना के लिए उन्हें कुछ नही मिलेंगे। मेरा पूर्ण प्रयास होगा कि प्रभावित परिवारों के उत्थान के लिए मैं बेहतर कार्य करूं।'' समाचार भेजे जाने तक प्रशासन व यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण से प्राप्त आंकडों के अनुसार 114 किसानों ने लगभग 528 बीघा जमीन पर सहमति दी है तथा मेरे कार्यालय में भी, 04 किसानों के लगभग 130 बीघा जमीन के प्रपत्र सहमति प्राप्त होकर आ चुके हैं। अब तक कुल मिलाकर 2291 किसानों ने 805 हैक्टेयर जमीन देने के लिए सहमति दे चुके हैं।

Amar Ujala Noida 08 Sep 2018

प्रथम चरण के लिए जितनी जमीन चाहिए उससे ज्यादा पर सहमति

विधायक धीरेंद्र सिंह किसानों से जमीन पर सहमति लेते हुए। अमर उजाला

अमर उजाला ब्यूरो

ग्रेटर नोएडा/जेवर। जेवर में एयरपोर्ट की राह बनने लगी है। जितनी जमीन पर सहमति चाहिए अब तक उससे भी अधिक पर किसानों से सहमति मिल गई है, लेकिन प्रभावित परिवारों की सहमति अभी कम है। संख्या पूरी होते ही जमीन लेने की प्रक्रिया होगी और उसके बाद इसे बनाने वाली कंपनी का चयन करने के लिए ग्लोबल टेंडर निकाल दिया जाएगा।

जेवर विधायक ठाकुर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि एयरपोर्ट के प्रथम चरण के लिए 1334 हेक्टेयर जमीन चाहिए, जिसमें से 116 हेक्टेयर जमीन सरकारी है। 1218 हेक्टेयर जमीन किसानों से ली जानी है। अब तक 916 हेक्टेयर जमीन पर किसानों से सहमति ले ली गई है, जो लगभग 75 प्रतिशत है जबकि सहमति 70 फीसदी जमीन पर ही चाहिए थी। अब तक 2357 किसानों से सहमति मिल चुकी है। यह आंकड़ा भी जल्द पार कर लिया जाएगा। प्रथम चरण में जमीन के लिए करीब 4000 परिवारों की सहमति की दरकार है, जिसके 70 फीसदी किसानों को राजी करने की जल्द कोशिश की जाएगी।

विधायक ने दावा किया कि एयरपोर्ट बनाने का रास्ता लगभग अब साफ हो चुका है। जमीन की अड़चन नहीं रह गई है। वहीं, विधायक के प्रयास से शुक्रवार को भी लगभग 200 किसानों ने 75 हेक्टेयर जमीन के लिए सहमति दे दी है। शनिवार को यह आंकड़ा और बढ़ जाएगा। धीरेंद्र सिंह ने जेवर के किसानों से प्रदेश के विकास में भागीदार बनने की बात कही।

नोएडा एयरपोर्ट

916 हेक्टेयर जमीन पर 2357 किसान हुए राजी

70 फीसदी परिवारों की सहमति होते ही ली जाएगी जमीन

सोमवार को यीडा व प्रशासन की बैठक

एयरपोर्ट मसले पर सोमवार को अहम बैठक होगी। यीडा के चेयरमैन डॉ. प्रभात कुमार यह बैठक लेंगे। इनमें तीन बिंदुओं पर चर्चा होगी। पहली, जमीन पर सहमति की स्थिति साफ करते हुए अधिग्रहण की प्रक्रिया तय की जाएगी। दूसरी, एयरपोर्ट बनाने वाली कंपनी का चयन करने के लिए बिड डाक्यूमेंट पर निर्णय हो सकता है। तीसरा, एयरपोर्ट के लिए पर्यावरण एनओसी की प्रक्रिया आगे बढ़ाने पर चर्चा होगी, ताकि 70 फीसदी परिवारों की सहमति मिलने के बाद तीनों ही बिंदुओं पर तेजी से काम हो सके।

Dainik Jagran Noida 08 Sep 2018

जेवर एयरपोर्ट के लिए सहमति का आंकड़ा पहुंचा 75 फीसद

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा: जेवर एयरपोर्ट के लिए सत्तर फीसद से अधिक जमीन की सहमति मिल चुकी है। परियोजना से प्रभावित परिवारों में भी सत्तर फीसद की सहमति लेने का प्रयास हो रहा है। प्रशासन के साथ जेवर विधायक भी परिवारों की सहमति लेने के प्रयास में लगे हैं। उम्मीद की जा रही है कि अगले एक-दो दिन में सत्तर फीसद परिवार की सहमति मिल जाएगी। इसके बाद जमीन अधिग्रहण के लिए धारा 11 की कार्रवाई का रास्ता साफ होगा। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने शुक्रवार को पारोही गांव में चौपाल लगाकर ग्रामीणों को जमीन पर सहमति देने के लिए रजामंद किया। अक्टूबर में जेवर एयरपोर्ट के शिलान्यास के मद्देनजर प्रधानमंत्री कार्यालय भी परियोजना की प्रगति पर निगाह रख रहा है।

जेवर एयरपोर्ट के पहले चरण में छह गांवों की 1334 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होना है। इसमें से 116 हेक्टेयर जमीन राज्य सरकार की है। जमीन अधिग्रहण पर बृहस्पतिवार शाम तक 2291 किसान 805 हेक्टेयर के लिए अपनी सहमति दे चुके थे। शुक्रवार को यह आंकड़ा 2357 किसानों की सहमति के साथ 916 हेक्टेयर पर पहुंच गया। हालांकि 75 फीसद जमीन के लिए किसानों की सहमति मिल चुकी है। लेकिन परियोजना से प्रभावित परिवारों की सहमति का सत्तर फीसद का आंकड़ा अभी पूरा नहीं हुआ है। प्रभावित परिवारों से शुक्रवार को भी सहमति ली गई।

जमीन अधिग्रहण का रास्ता साफ होते देख यमुना प्राधिकरण ने अन्य औपचारिकताओं को पूरा करने के प्रयास तेज कर दिए हैं। सोमवार को जेवर एयरपोर्ट परियोजना को लेकर तीन बैठक बुलाई गई है। यह बैठक पर्यावरण मंत्रालय की अनापत्ति पत्र, परियोजना के निर्माण के लिए निविदा प्रपत्र व जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया आदि की समीक्षा होगी। शासन के अधिकारियों के अलावा प्राधिकरण, प्रशासन के अधिकारी भी शामिल होंगे। जेवर एयरपोर्ट परियोजना के लिए प्राइस वाटर हाउस कूपर ने निविदा प्रपत्र तैयार किया है। जमीन अधिग्रहण होने की स्थिति में अक्टूबर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जेवर एयरपोर्ट का शिलान्यास कर सकते हैं। इसलिए प्रधानमंत्री कार्यालय जेवर एयरपोर्ट परियोजना के जमीन अधिग्रहण की स्थिति एवं अन्य औपचारिकताओं पर निगाह रखे हुए है।

नेता भी पहुंच रहे सहमति के लिए

जेवर एयरपोर्ट परियोजना के लिए नेताओं का भी जमावड़ा लग रहा है। शुक्रवार को यमुना प्राधिकरण के कार्यालय में लगभग सभी दलों के नेता पहुंचे। इसमें कुछ सहमति के लिए पहुंचे। दादरी के पूर्व विधायक सतबीर गुर्जर कुछ लोगों को लेकर प्राधिकरण कार्यालय पहुंचे और सहमति दिलाई। इसके अलावा प्राधिकरण पहुंचने वालों में सपा नेता एवं पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष रविंद्र भाटी, कांग्रेस नेता अजीत दौला, भाजपा नेता हरीश चंद्र भाटी शामिल रहे।

Dainik Bhaskar Noida 08 Sep 2018

किसानों ने किया एयरपोर्ट बनाये जाने का रास्ता साफ

सहमति

- 1220 में से 916 हेक्टेयर जमीन आने के बाद भूमि का आंकड़ा पहुंचा 75 प्रतिशत के पार
- पारोही गांव के अनुसूचित जाति के किसान भी हुए अपनी जमीन देने को तैयार

निवाण टाइम्स संवाददाता

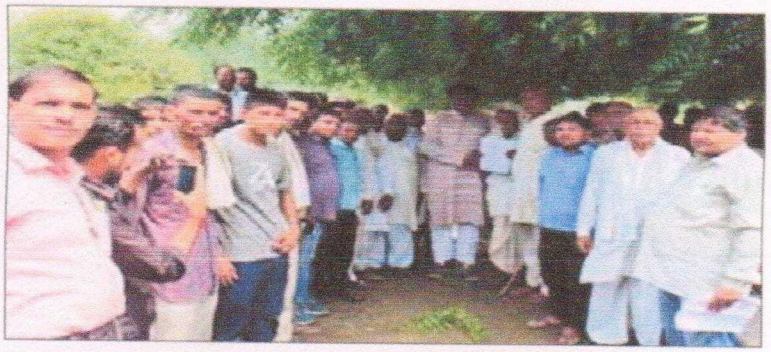

ग्रेटर नोएडा। 31 अगस्त 2018 तक जेवर में नोएडा इंटरनेशनल ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट पर संकट के बादल मंडरा रहे थे, उसे देखते हुए जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने किसानों की सहमति दिलवाए जाने का दायित्व अपने कंधों पर लेते हुए गांव-गांव में पंचायतें आयोजित कर, किसानों को समझाया और उन्हें इस प्रदेश के विकास में भागीदार बनने की सलाह दी, जिसके चलते अब एयरपोर्ट बनने का रास्ता लगभग साफ हो चुका है।

7 सितम्बर को ग्राम पारोही में अम्बेडकर भवन में आयोजित एक चौपाल के बीच किसानों की एक-एक शंका का समाधान जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह द्वारा किया गया तथा उन्हें पूर्ण रूप से आश्वस्त किया कि भूमि अधिग्रहण कानून में यदपि अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिए विशेष प्रबंध किये गये हैं, लेकिन उसके बावजूद भी विस्थापित होने वाले किसानों की सहूलियत का पूरा ध्यान रखा जायेगा।

जेवर विधायक से वार्ता के बाद किसानों ने स्वंय ही अपनी सहमति दिये जाने की इच्छा व्यक्त कर दी। इसी प्रकार रोही गांव में मुआवजा बढ़ाये जाने के लिए आंदोलनरत किसान जयवीर सिंह व तेजपाल सिंह भी जेवर विधायक के आश्वासन के बाद अपने सहमति पत्र देने के लिए तैयार हुये। वहीं दयानतपुर गांव के संजय छौंकर, ने भी दर्जनों किसानों के साथ जेवर विधायक को अपने सहमति पत्र सौंपे। आज तक लगभग 2335 किसान 916 हेक्टेयर जमीन पर अपनी सहमति दे चुके हैं।

The Times Of India Noida 08 Sep 2018

Admin says it has farmers' OK for 75% of land needed for airport

Shafaque.Alam@timesgroup.com

Greater Noida: The district administration has moved forward in taking consent from land owners for the Jewar airport project with 2,356 farmers agreeing to part with their land so far. There are nearly 8,300 land holdings in the six villages meant for acquisition. The total land earmarked for acquisition in the first phase is 1,220 hectares. However, in terms of getting consent from 70% land owners—which is mandatory for the project—the number is still low. Prasun Dwivedi, SDM, Jewar, said by Friday evening, the administration got consent from 2,356 farmers holding 916 hectare land in the area. "This is over 75% land required for acquisition in the first phase," he said. Jewar MLA Thakur Dhirendra Singh said some people have multiple land holdings in different villages.

Punjab Kesari Noida 08 Sep 2018

जेवर एयरपोर्ट का रास्ता साफ

ग्रेटर नोएडा, (पंजाब केसरी): भूमिहीन परिवारों की सहमति के बाद जेवर में एयरपोर्ट बनना लगभग तय गया है। 1220 हैक्टेयर में से 880 हैक्टेयर जमीन आने क बाद जमीन का आकड़ा 72 फीसदी के पास हो चुका है, जिससे यहां एयरपोर्ट बनने की प्रबल उम्मीद दिखाई देने लगी है। बता दें कि 31 अगस्त 2018 तक जेवर में नोएडा इंटरनेशनल ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट पर संकट के बादल मंडरा रहे थे। उसे देखते हुए जिला प्रशासन व स्थानीय विधायक धीरेन्द्र सिंह ने किसानों की सहमति दिलवाए जाने का दायित्व अपने कंधों पर लेते हुए गांव-गांव में पंचायतें आयोजित कर, किसानों को समझाया और उन्हें इस प्रदेश के विकास में भागीदार बनने की सलाह दी, जिसके चलते अब एयरपोर्ट बनने का रास्ता लगभग साफ हो चुका है। शुक्रवार को ग्राम पारोही में अम्बेडकर भवन में आयोजित एक चौपाल के बीच

- 1220 हैक्टेयर में से 880 हैक्टेयर जमीन पर मिली किसानों की सहमति

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने किसानों को आश्वस्त किया कि भूमि अधिग्रहण कानून में हालांकि अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के लिए विशेष प्रबंध किए गए हैं, लेकिन उसके बावजूद भी विस्थापित होने वाले किसानों की सहूलियत का पूरा ध्यान रखा जाएगा। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह से वार्ता के बाद किसानों ने स्वंय ही अपनी सहमति देने जाने की इच्छा व्यक्त की। इसी प्रकार रोही गांव में मुआवजा बढ़ाए जाने के लिए आंदोलनरत किसान जयवीर सिंह व तेजपाल सिंह भी जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह के आश्वासन के बाद अपनी सहमति पत्र देने के लिए तैयार हुए।

NBT Noida 08 Sep 2018

फटाफट खबरें

जेवर एयरपोर्ट के शिलान्यास की तैयारी तेज

एनवीटी न्यूज, ग्रेनो : जेवर एयरपोर्ट का शिलान्यास 15 अक्टूबर के आसपास कराने के लिए जिला प्रशासन और यमुना अथॉरिटी ने तैयारी तेज कर दी है। एयरपोर्ट के निर्माण के लिए बिड डॉक्यूमेंट तैयार करने, जमीन अधिग्रहण के लिए धारा-11 की कार्रवाई व एनवायरनमेंट को लेकर मीटिंग करने के लिए दस सितंबर को जीबीयू में अहम बैठक बुलाई गई है।

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार तक 2441 किसान 877 हेक्टेयर जमीन की सहमति दे चुके है। 2019 में होने वाले लोक सभा चुनाव के लिए अधिसूचना जारी होने से पहले-पहले जेवर एयरपोर्ट का शिलान्यास कराने की योजना है।

Jai Hind Janab Noida 06 Sep 2018

जमीन की सहमति आने के बाद जेवर एयरपोर्ट पहुंचा निर्माण के नजदीक

208 किसानों ने 900 बीघा जमीन के लिए दी सहमति

सिटी रिपोर्टर

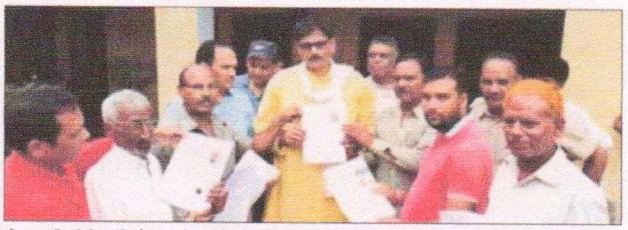

जेवर। नोएडा इंटरनेशनल ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाये जाने हेतु किसानों द्वारा अपनी जमीनें दिये जाने की प्रक्रिया धीमी चल रही थी, उसी को देखते हुए विगत 03 दिन से जेवर के स्थानीय विधायक धीरेन्द्र सिंह द्वारा गांव-गांव जाकर, किसानों को एयरपोर्ट से होने वाले फायदों और क्षेत्र के विकास की बातें बताये जाने से धीरे-धीरे एयरपोर्ट बनाये जाने के रास्ते में आ रही अडचने दूर होती नजर आ रही हैं।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह के आह्वान पर अब ग्रामों के किसान स्वंय ही दूसरों किसानों को सहमति दिये जाने के फायदे बताकर, उत्प्रेरित कर रहे हैं। उसी क्रम में 5 सितम्बर को जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने प्रात: 11:00 बजे रन्हेरा गांव की राधा कृष्ण चौपाल पर पहुँचकर, गांव के बुजुर्ग, महिलाओं व नौजवानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि "हमारी सरकार से की जा रही मांगें तब तक ही जायज हैं।

जब तक हम यह तय न कर ले कि एयरपोर्ट का निर्माण जेवर में ही होना है? अगर हमने जल्द ही इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए अपनी जमीनें एयरपोर्ट निर्माण के लिए नही दी तो यह प्रोजेक्ट कहीं ओर चला जायेगा, उसके बाद आपकी सारी मांगें निष्प्रभावी और शून्य हो जायेंगी। क्योंकि हम तभी तो सरकार से मांग कर सकते हैं।

HT Noida 06 Sep 2018

मुआवजे के पैसे से जमीन खरीदने पर स्टांप से छूट

जेवर एयरपोर्ट

- रनहेरा में 95 व किशोरपुर गांव में 80% किसान सहमति दे चुके
- एयरपोर्ट के लिए 750 हेक्टेयर जमीन की सहमति मिल चुकी

रिपोर्टर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

जेवर एयरपोर्ट में प्रभावित होने वाले किसानों को मुआवजे के पैसे से कृषि जमीन खरीदने पर स्टांप ड्यूटी से छूट मिलेगी। जिन किसानों की आबादी ग्राम समाज की जमीन पर होगी, उन्हें भी उस जमीन का 50% विकसित भूखंड मिलेगा। बुधवार को 208 किसानों ने 900 बीघा जमीन देने के लिए सहमति दी। अब तक 750 हेक्टेयर जमीन की सहमति मिल चुकी है।

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने प्रभावित किसानों से वार्ता की तो उन्होंने हो और सहूलियत दिलाने की घोषणा की। प्रभावित किसान अगर मुआवजे के पैसे कृषि भूमि खरीदेंगे तो उन्हें स्टांप छूट मिलेगी। इसके अलावा अगर किसी प्रभावित किसान की ग्राम समाज में आबादी है तो उसे भी उसका 50 प्रतिशत विकसित भूखंड मिलेगा।

जेवर विधायक ने सुबह रन्हेरा गांव की राधा कृष्ण चौपाल पर पहुंचकर गांव के बुजुर्गों, महिलाओं व नौजवानों से वार्ता की। अगर हमने जल्द ही इस योजना के लिए अपनी जमीन एयरपोर्ट निर्माण के लिए नहीं दी तो यह प्रोजेक्ट कहीं ओर चला जायेगा। दयानतपुर गांव में भी किसानों के कुछ समूह विस्थापन व मुआवजा नीति को लेकर, विगत दिनों से नाराज चल रहे थे। विधायक ने उसे एक घंटा उनसे वार्ता की। काफी किसान 6 सितंबर को सहमति देंगे। रनहेरा में 95 व किशोरपुर गांव में 80% किसान सहमति दे चुके हैं।

सहमति देते समय भावुक हो रहे किसान : गांव किशोरपुर में भी हाकम खां के पिता अईये खांन तथा उसकी माता चांदो जमीन जाने से भावनात्मक रूप से बहुत परेशान थी। बाद में वह भी तैयार हो गईं। गांव नगला शरीफ खां के निवासी अहमद खांन, जिनके परिवार की तकरीबन 80 बीघा जमीन रोही, दयानतपुर व किशोरपुर में आ रही है। उन्होंने सहमति पत्र दे दिए। 2173 किसानों ने 750 हेक्टेयर जमीन देने के लिए सहमति दे चुके हैं। मौके पर पूरन सिंह, भददर सिंह, हरिओम सिंह, गिर्राज सिंह, हरिकिशन शर्मा, गनपत सिंह सूबेदार, रामपाल सिंह आदि मौजूद रहे।

Focus Awaz Noida 06 Sep 2018

13 सौ हैक्टेयर में से 750 हैक्टेयर जमीन की सहमति आने के बाद जेवर एयरपोर्ट पहुँचा निर्माण के नजदीक

आज के प्रयास से तकरीबन 208 किसानों ने 900 बीघा जमीन के लिए दी सहमति

ग्रेटर नोएडा (संवाददाता)।

जैसा कि विदित ही है कि नोएडा इंटरनेशनल ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट बनाये जाने हेतु किसानों द्वारा अपनी जमीनें दिये जाने की प्रक्रिया धीमी चल रही थी, उसी को देखते हुए विगत 03 दिन से जेवर के स्थानीय विधायक धीरेन्द्र सिंह द्वारा गांव-गांव जाकर, किसानों को एयरपोर्ट से होने वाले फायदों और क्षेत्र के विकास की बातें बताये जाने से धीरे-धीरे एयरपोर्ट बनाये जाने के रास्ते में आ रही अडचने दूर होती नजर आ रही हैं। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह के आह्वान पर अब ग्रामों के किसान स्वंय ही दूसरों किसानों को सहमति दिये जाने के फायदे बताकर, उत्प्रेरित कर रहे हैं। उसी क्रम में बुधवार को जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने प्रात: 11:00 बजे रन्हेरा गांव की राधा कृष्ण चौपाल पर पहुँचकर, गांव के बुजुर्ग, महिलाओं व नौजवानों को सम्बोधित करते हुए कहा कि ''हमारी सरकार से की जा रही मांगें तब तक

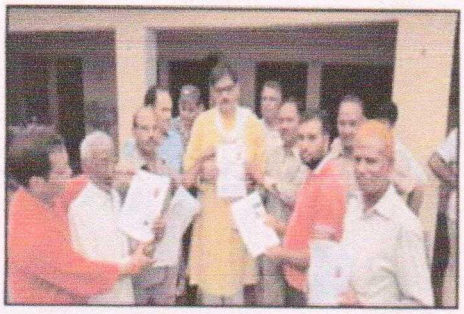

ही जायज हैं जब तक हम यह तय न कर ले कि एयरपोर्ट का निर्माण जेवर में ही होना है? अगर हमने जल्द ही इस महत्वाकांक्षी योजना के लिए अपनी जमीनें एयरपोर्ट निर्माण के लिए नही दी तो यह प्रोजेक्ट कहीं ओर चला जायेगा, उसके बाद आपकी सारी मांगें निष्प्रभावी और शून्य हो जायेंगी। क्योंकि हम तभी तो सरकार से मांग कर सकते हैं, जब पहले यह तय हो जाये कि हमने 70 प्रतिशत सहमति देकर, एयरपोर्ट का निर्माण किये जाने की सहमति दे दी है।जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने आगे कहा कि ''जहां तक किसानों के भविष्य, जीवन यापन आदि की चिंतायें आपके जहन में हैं, उसके लिए जनप्रतिनिधि होने के नाते, मैं आपके साथ मिलकर, सरकार से उन सभी उचित मांगों को पूरी कराऊंगा, जिनसे आपका भविष्य और जीवन यापन बेहतर हो सके। अपने विधायक की बाते सुनकर किसान सहमत हुये तथा गांव में आज मौजूद सभी किसानों ने एक स्वर में अपने सहमति पत्र जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह को दिये। इसी प्रकार दयानतपुर गांव में भी किसानों के कुछ समूह विस्थापन व मुआवजा नीति को लेकर, विगत दिनों से नाराज चल रहे थे, उनके बीच में भी जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने जाकर, एक घंटा उनसे वार्ता की तथा बनने वाले विश्वस्तरीय एयरपोर्ट के आने पीढ़ियों के फायदें गिनाये। काफी किसान विधायक की बात से सहमत नजर आये एंव कल दिनांक 06 सितम्बर 2018 को किसानों का एक बडा जत्था अपनी जमीन की सहमति देने के लिए तैयार हो गया।

गांव किशोरपुर में भी हाकम खां के पिता अईये खांन तथा उसकी माता चांदो, जमीन जाने से भावनात्मक रूप से बहुत परेशान थी तथा जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह के समझाने पर उन्होने ने भी प्रदेश व क्षेत्र के विकास के लिए अपनी भावनाओं का त्याग कर, सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किये।

The Navodaya Times Noida 06 Sep 2018

जेवर एयरपोर्ट: जमीन देने वाले किसानों का आंकड़ा 2173 पहुंचा

750 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण के लिए प्राप्त की किसानों की सहमति

ग्रेटर नोएडा, 5 सितम्बर (ब्यूरो) : जेवर में अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के निर्माण के लिए चिन्हित जमीन के अधिग्रहण के लिए किसानों की सहमति प्राप्त करने में जुटे शासन, प्रशासन, यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण और स्थानीय प्रतिनिधियों को बुधवार को बड़ी सफलता हाथ लगी है।

बुधवार को जमीन अधिग्रहण के लिए सहमति देने वाले किसानों का आंकड़ा 2173 पहुंच गया है, जबकि इन किसानों से 750 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण के लिए सहमति प्राप्त हो गई चुकी है। हालांकि शासन की ओर से 6 सितम्बर को नागरिक एवं उड्डयन मंत्रालय को किसानों की सहमति के बारे में प्रगति रिपोर्ट भेजनी है।

विधायक को जमीन अधिग्रहण के लिए सहमति पत्र सौंपते किसान।

प्रगति रिपोर्ट सौंपने के लिए पूर्व में निर्धारित तारीख 31 अगस्त थी जिसको बढ़ाकर 6 सितम्बर कर दी गई थी। जेवर से भाजपा विधायक ठाकुर धीरेन्द्र सिंह पिछले कई दिनों से गांव-गांव जाकर चौपाल लगाकर किसानों से जमीन अधिग्रहण के लिए सहमति प्रदान करने के लिए चर्चा कर रहे हैं।

गौरतलब है कि जेवर में बनने वाले प्रस्तावित अन्तर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट के लिए चिन्हित 6 गांवों की 1335 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। इस जमीन में 116 हेक्टेयर जमीन सरकारी है। ऐसे में जमीन का अधिग्रहण करने वाली शेष 1218 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण से पूर्व नए जमीन अधिग्रहण कानून के अनुसार जिला प्रशासन को 70 प्रतिशत जमीन के अधिग्रहण के लिए किसानों की सहमति लेना आवश्यक है।

इन गांवों के किसान मुआवजा दर एवं अन्य मांगों को लेकर जमीन अधिग्रहण का विरोध कर रहे हैं। ऐसे में जमीन अधिग्रहण से पूर्व किसानों की सहमति प्राप्त करने में जुटे शासन, जिला प्रशासन एवं यमुना औद्योगिक विकास प्राधिकरण के अधिकारियों और सरकार के स्थानीय प्रतिनिधियों के पसीना छूट रहा है। इसके बावजूद एयरपोर्ट के लिए चिन्हित जमीन के 70 प्रतिशत अर्थात 856 हेक्टेयर जमीन के लिए किसानों की सहमति की दिशा में कदम बढ़ रहे हैं। व

धवार को 208 किसानों ने 75 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण के लिए अपनी सहमति दे दी। स्थानीय विधायक ठाकुर धीरेन्द्र सिंह के अनुसार रन्हेरा गांव में 95 प्रतिशत और किशोरपुर गांव में 80 प्रतिशत किसानों ने अपनी सहमति प्रदान कर दी है। वहीं विधायक बीरवार को दयानतपुर गांव के बड़े समूह द्वारा अपनी सहमति देने की उम्मीद जताई है।

ठाकुर धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट निर्माण के लिए ही सरकार किसानों की हर संभव मांग को मानने के तैयार है। यदि एयरपोर्ट किसी दूसरे स्थान पर स्थानांतरित हो जाता है तो इसका सबसे भारी नुकसान किसानों को ही होगा।

उन्होंने कहा कि किसानों के जीवन यापन तथा अन्य चिंताओं को वह आगे बढ़कर सरकार के सामने रखेंगे।

Hindustan Noida 05 Sep 2018

जल्द 70 प्रतिशत किसानों की सहमति

तरक्की की उड़ान

शिपिंग में खर्च होंगे 1500 करोड़

जेवर एयरपोर्ट के बीच में आ रहे गांवों के 1905 परिवार शिफ्ट किए जाएंगे। प्रारंभिक तौर पर सामने आया है कि इनको दूसरी जगह बसाने पर करीब 1500 करोड़ रुपये खर्च होंगे। किसानों को आबादी की 50 प्रतिशत विकसित जमीन देने की घोषणा हुई है। जमीन खरीदकर उसको सेक्टर की तर्ज पर विकसित किया जाएगा तो उसकी आधी जमीन जरूरी सुविधाओं में चली जाएगी। यानी सड़क, सीवर, बिजली, पानी आदि पर जमीन का इस्तेमाल होगा। इसके अलावा अगर वहां बिजलीघर, सामुदायिक केंद्र, अस्पताल, स्कूल आदि के लिए जमीन छोड़ी जाएगी तो कुल जमीन का 22 प्रतिशत इन सुविधाओं के लिए जरूरत पड़ेगी।

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

जेवर एयरपोर्ट को बनवाने के लिए किसान आगे आ रहे हैं। मंगलवार को 225 किसानों ने 76 हेक्टेयर जमीन की सहमति दे दी। सहमति के लिए प्रशासन के साथ-साथ जेवर विधायक पहल कर रहे हैं। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि जल्द 70 प्रतिशत किसानों की सहमति मिल सकती है।

जेवर एयरपोर्ट के लिए जमीन देने के लिए किसानों को समझाने के प्रयास हो रहे हैं। प्रशासन के साथ-साथ जेवर विधायक भी इस काम में लगे हुए हैं। मंगलवार को 225 किसानों ने 76 हेक्टेयर जमीन के लिए अपनी सहमति दी है। अब तक 1965 किसान 675 हेक्टेयर जमीन देने के लिए सहमति दे चुके हैं। अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि जल्द सहमति का काम पूरा होगा।

वहीं, जेवर विधायक ने मंगलवार को ग्राम खेड़ा (दयानतपुर), नगला शरीफ, नगला गणेशी, जहगीरा की झोपड़ी व रोही ग्राम में किसानों से वार्ता की और एयरपोर्ट के फायदे बताए। उन्होंने ने कहा कि टाटा की नैनो कार का प्लांट सिंगुर (पश्चिम बंगाल) में न लग पाने के कारण वहां के लोग पछता रहे हैं। मौके पर होशियार सिंह, धीर सिंह छौंकर, मनवीर सिंह, सुनील सिंह, भूदत्त शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

The Navodaya Times Noida 05 Sep 2018

जेवर एयरपोर्ट: जमीन अधिग्रहण के लिए सहमति देने वाले किसानों की संख्या बढ़ी

1965 किसानों ने दी 675 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण की सहमति

किसानों से जमीन देने के लिए बातचीत करे स्थानीय विधायक ठाकुर धीरेन्द्र सिंह।

ग्रेटर नोएडा, 4 सितम्बर (ब्यूरो) : जेवर एयरपोर्ट के लिए चिन्हित जमीन के अधिग्रहण से पूर्व किसानों की सहमति प्राप्त करने में जुटे शासन, प्रशासन जिला प्रशासन और स्थानीय प्रतिनिधियों के प्रयास रंग लाते हुए दिखाई दे रहे हैं। मंगलवार को जमीन अधिग्रहण के लिए सहमति देने वाले किसानों की संख्या बढ़कर 1965 पहुंच गई है। अभी तक 675 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण के लिए सहमति प्राप्त हो चुकी है।

गौरतलब है कि जेवर एयरपोर्ट निर्माण के प्रथम चरण के लिए 6 गांवों की 1334 हेक्टेयर जमीन को चिन्हित किया गया। इसमें 116 हेक्टेयर जमीन सरकारी है। ऐसे में शेष 1218 हेक्टेयर किसानों की जमीन का अधिग्रहण किया जाना है। नए जमीन अधिग्रहण कानून के अनुसार किसी भी प्रोजेक्ट के लिए चिन्हित 70 प्रतिशत जमीन के लिए किसानों की सहमति लेना आवश्यक है। ऐसे में जमीन अधिग्रहण से पूर्व संबंधित संस्थाओं के सामने 856 हेक्टेयर जमीन के संबंध में किसानों की सहमति प्राप्त करना बड़ी चुनौती बनी हुई है।

शासन को नागरिक एवं उड्यन मंत्रालय को 6 सितम्बर को प्रगति रिपोर्ट सौंपनी है। ऐसे में संबंधित संस्थाएं किसानों को जमीन अधिग्रहण के लिए सहमति देने के लिए मनाने में जुटी है। मंगलवार को 225 किसानों ने लगभग 46 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण के लिए अपनी सहमति दी है।

जेवर के लोग सिंगुर जैसी गलती नहीं दोहराएंगे : विधायक

जेवर एयरपोर्ट के लिए किसानों को जमीन देने के लिए मनाने में जुटे स्थानीय विधायक ठाकुर धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि जेवर के लिए इतिहास से सबक सीखेंगे और पश्चिम बंगाल के सिंगुर जैसी गलती नहीं दोहराएंगे। जेवर के लोग विकास के परिचायक जेवर एयरपोर्ट के पक्ष में खड़े हैं। यह बातें उन्होंने गांव खेड़ा (दयानतपुर), नगला शरीफ, नगला गणेशी, जहगीरा की झोपडी व रोही ग्राम में जेवर एयरपोर्ट की के लिए चिन्हित जमीन की जद में आ रहे किसान व खेतीहर मजदूरों के बीच कहीं।

उन्होंने लोगों को पश्मिी बंगाल के सिंगुर का उदाहरण देते हुए कहा कि टाटा की नैनो कार के प्लांट का राजनीतिक विरोध करके लोग पछता रहे हैं। जबकि गुजरात के लोग इस प्लांट के लगने से तरीकी कर रहे हैं। उन्होंने कहा जेवर एयरपोर्ट के विरोध की आड़ में राजनीति कर रहे लोगों पर निशाना साधते हुए कहा कि कुछ लोग विकास का विरोध कर लोगों को भ्रमित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जिले में पहले से ही यमुना एक्सप्रेस-वे, ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे जैसे विश्वस्तरीय एक्सप्रेस-वे मौजूद हैं। ऐसे में जेवर एयरपोर्ट बनने के बाद यहां दुनिया के बेहतरीन आवागमन के मानक स्थापित होंगे जिससे लोगों के लिए बेहतर शिक्षा और रोजगार पैदा होंगे। इसका लाभ स्थानीय युवाओं को मिलेगा।

Amar Ujala Noida 05 Sep 2018

नैनो प्लांट न लगने से पछता रहे हैं पश्चिम बंगाल के लोग

1812 किसान दे चुके हैं सहमति

686 हेक्टेयर जमीन के लिए मिल चुकी है सहमति

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : जेवर एयरपोर्ट के लिए मंगलवार को 76 हेक्टेयर जमीन का रास्ता और साफ हो गया। 225 किसानों ने जमीन अधिग्रहण पर अपनी सहमति दी। मंगलवार तक 1812 किसान जमीन अधिग्रहण पर अपनी सहमति दे चुके हैं। सहमति देने के लिए किसानों के पास बृहस्पतिवार तक का समय है। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह भी गांवों में जाकर किसानों की सहमति बनाने के प्रयास में जुटे हैं। उनके प्रयास से सहमति देने वाले किसानों की संख्या में इजाफा हुआ है।

जेवर एयरपोर्ट की जमीन अधिग्रहण के लिए मंगलवार को प्रशासन व प्राधिकरण के लगाए गए कैंप में काफी संख्या में किसान पहुंचे। परियोजना से प्रभावित सभी छह गांवों में टीमों ने कैंप लगाए। 225 किसानों ने इन कैंप में जमीन अधिग्रहण के लिए अपनी सहमति दी। कुछ 76 हेक्टेयर जमीन के लिए किसानों की सहमति मिल गई। इससे एयरपोर्ट परियोजना के लिए सहमति का आंकड़ा 686 हेक्टेयर पर पहुंच गया। किसानों के सकारात्मक रुख से जेवर एयरपोर्ट परियोजना के फलीभूत होने की संभावना लगातार मजबूत हो रही है। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने भी गांवों में जाकर एयरपोर्ट के लिए किसानों से सहमति देने का आहवान किया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में नैनो का प्लांट न लगने से वहां के लोग आज भी पछता रहे हैं। नैनो प्लांट ने गुजरात को तरक्की के रास्ते पर आगे बढ़ाया था। जेवर एयरपोर्ट से क्षेत्र का विकास तेज होगा। रोजगार, शिक्षा समेत सभी सुविधाएं तेजी से विकसित होंगी। जमीन अधिग्रहण पर सहमति के लिए छह सितंबर अंतिम तिथि है। उम्मीद की जा रही है कि अंतिम तिथि तक जमीन अधिग्रहण के लिए जरूरी सत्तर फीसद की सहमति का आंकड़ा पूरा हो जाएगा।

Deshbandhu Noida 05 Sep 2018

एयरपोर्ट के लिए 225 किसानों ने करीब 550 बीघा जमीन के लिए दी सहमति

ग्रेटर नोएडा, 4 सितम्बर, (देशबन्धु)। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने मंगलवार को गांव खेडा (दयानतपुर) नगला शरीफ नगला गणेशी, जहगीरा की झोपा व रोही ग्राम में जेवर एयरपोर्ट की जद में आ रहे किसान व खेतीहर मजदूरों से सहमति बनाने का प्रयास किया। उन्होंने किसानों से कहा कि उत्तर प्रदेश सरकार पूंजी निवेश और विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं के माध्यम से प्रदेश को विकास के पथ पर सबसे आगे ले जाना चाहती हैं, लेकिन विकास का विरोध करने वाले लोग, सीधे साधे लोगों को भ्रमित कर, इस विकास में बाधक बन रहे हैं, जो उचित नही है। नौजवानों से मुखातिब होते हुए जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने कहा कि यमुना एक्सप्रेस-वे व ईस्टर्न पेरिफेरल के मध्य पडने वाला यह क्षेत्र हवाई अडडा बनने के बाद दुनिया के बेहतरीन आवागमन सुविधा वाले क्षेत्रों में शुमार हो जाएगा, जिससे यहां के निवासियों को अपनी दैनिक कार्यों, शिक्षा व नौकरी जैसी सुविधाओं का निश्चित तौर से लाभ मिलेगा। इस मौके पर होशिया सिंह, धीर सिंह छौंकर, मनवीर सिंह, सुनील सिंह, भूदत्त शर्मा, श्रीया सिंह, महीपाल सिंह, इरशाद सैफी, अमरपाल सिंह, दरयाब सिंह, सुन्दरपाल सिंह, रोहताश सिंह, कालू सिंह, योगेश शर्मा, तारा सिंह, दीपक सिंह, पवन सिंह व डब्बू सिंह आदि लोग मौजूद रहे। अब तक कुल मिलाकर लगभग 1965 किसान 675 हेक्टेयर जमीन देने के लिए सहमति दे चुके हैं।

Amar Ujala Noida 04 Sep 2018

52 किसानों ने दी 40 बीघा जमीन पर सहमति

ग्रेटर नोएडा। जेवर एयरपोर्ट की जमीन के लिए किसानों से सहमति लगातार बढ़ रही है। सोमवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन करीब 52 किसानों ने 40 बीघा जमीन के लिए सहमति दे दी। अब तक 1740 किसानों ने 630 हेक्टेयर जमीन देने के लिए सहमति दे दी है। विधायक, जिला प्रशासन व प्राधिकरण के अधिकारियों ने उम्मीद जताई कि सहमति जल्द पूरी हो जाएगी। इसके बाद जमीन अधिग्रहित की जाएगी। ब्यूरो

Dainik Jagran Noida 04 Sep 2018

किसानों ने दी जेवर एयरपोर्ट के लिए सहमति

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : जेवर एयरपोर्ट के लिए किसानों की सहमति लेने का कार्य सोमवार को भी किया गया। जन्माष्टमी का अवकाश होने के बावजूद प्रशासन व प्राधिकरण के अधिकारी एवं कर्मचारी गांवों में गए और निर्धारित प्रारूप पर किसानों से जमीन अधिग्रहण के लिए लिखित में सहमति ली। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने भी किसानों की सहमति बनाने के लिए गांवों में बैठक कीं।

जेवर एयरपोर्ट के लिए सोमवार को 12 किसानों ने यमुना प्राधिकरण को अपनी सहमति दी। वहीं काफी संख्या में किसानों ने प्रशासन को भी अपने सहमति पत्र सौंपे। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने दयानतपुर, किशोरपुर, नंगला छीतर गांवों में ग्रामीणों के साथ बैठक की और क्षेत्र के विकास के लिए जमीन पर सहमति देने का आग्रह किया। किशोरपुर गांव में सुरेंद्र सिंह से मिलकर उनसे भी जेवर एयरपोर्ट के लिए जमीन पर सहमति का आग्रह किया। जिसे सुरेंद्र सिंह व उनके परिवार से स्वीकार कर लिया। विधायक के मुताबिक एयरपोर्ट के लिए सोमवार तक 1740 किसान 630 हेक्टेयर जमीन के अधिग्रहण पर अपनी सहमति दे चुके हैं।

Dainik Jagran Noida (02) 04 Sep 2018

किसान 4 गुना मुआवजे पर अड़े योजना में लग सकता है ग्रहण

हवाई अड्डा के प्रभावित गांवों को ग्रामीण क्षेत्र में अधिसूचित करने की है मांग

जेवर एयरपोर्ट

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : जमीन के एवज में चार गुना मुआवजे की मांग पर अड़े किसान जेवर एयरपोर्ट परियोजना को कानूनी दांव पेंच में फंसा सकते हैं।

एयरपोर्ट प्रभावित गांवों को शहरी क्षेत्र में अधिसूचित किए जाने के खिलाफ किसान हाई कोर्ट जाने की रणनीति तैयार करने में जुटे हैं। बताया जा रहा है कि इन किसानों को कुछ नेताओं का भी साथ मिला हुआ है। जो अपने फायदे के लिए किसानों के विरोध को हवा दे रहे हैं। जेवर एयरपोर्ट परियोजना की जमीन अधिग्रहण पर करीब 17 सौ किसान 627 हेक्टेयर के लिए अपनी सहमति दे चुके हैं, लेकिन काफी किसान अभी भी सहमति देने को तैयार नहीं है। जबकि सहमति लेने के लिए छह सितंबर तक बढ़ाई गई समय सीमा भी करीब आ रही है। विरोध करने वाले किसान जमीन के चार गुने मुआवजे की मांग कर रहे हैं। किसान दो बार पंचायत भी की कर चुके हैं। किसानों ने हाई कोर्ट जाने के लिए समिति का गठन भी कर दिया है। जो याचिका दायर करने से संबंधित सभी कार्य को अंजाम देगी। इसके साथ ही प्रभावित गांवों में ग्रामीण क्षेत्र में अधिसूचित करने के लिए प्रशासन को 14 सितंबर तक का वक्त दिया है।

1334 हेक्टेयर जमीन का होना है अधिग्रहण

जेवर एयरपोर्ट परियोजना के पहले चरण के लिए 1334 हेक्टेयर जमीन का अधिग्रहण होना है। सतर फीसद सहमति होने पर जिला प्रशासन जमीन अधिग्रहण की धारा 11 की कार्यवाही करेगा। जमीन खरीद की प्रक्रिया को जल्द पूरा करने के लिए किसानों से सहमति के आधार पर क्रय भी किया जा सकता है। धारा 11 की कार्यवाही होने से मुआवजे दर एवं पुनर्वास के सभी फायदे किसानों को मिलने में किसी तरह की अड़चन नहीं होगी। जेवर एयरपोर्ट के जल्द से जल्द शिलान्यास का रास्ता भी साफ हो जाएगा।

किसानों का तर्क है कि अगर परियोजना से प्रभावित गांवों को ग्रामीण क्षेत्र में अधिसूचित कर दिया जाता है तो वह नए भूमि अधिग्रहण कानून के तहत चार गुना मुआवजे का अधिकार पा जाएंगे। इसलिए प्रशासन स्तर पर गांवों को ग्रामीण क्षेत्र में अधिसूचित करने की मांग पूरी न होने पर किसान हाइकोर्ट जाने की तैयारी कर रहे हैं। किसानों के हाई कोर्ट जाने से परियोजना का काम शुरु होने में विलंब होगा। बताया जा रहा है कि किसानों के विरोध को कुछ नेता खत्म दे रहे हैं, जिनकी जमीन जेवर एयरपोर्ट परियोजना में आ रही है। चार गुना मुआवजे का सीधा फायदा इन नेताओं को भी होगा। इसलिए वह किसानों को आगे करके परियोजना को कानूनी फंदे में फंसाने का प्रयास कर रहे हैं।

NBT Noida 03 Sep 2018

118 किसानों ने दी जमीन देने की सहमति

किसानों को मनाने के लिए पहुंचे जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह

■ प्रमुख संवाददाता, ग्रेटर नोएडा

जेवर में प्रस्तावित एयरपोर्ट को लेकर अब जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने भी किसानों को मनाना शुरू कर दिया है। उन्होंने रविवार को चार गांवों में किसानों के साथ बैठक कर एयरपोर्ट से होने वाले फायदों के बारे में बताते हुए कहा कि इससे जिले से लेकर पूरे यूपी में विकास होगा।

किसानों के हित, भविष्य और जीवनयापन के साधन मुहैया करने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार काम कर रही है। विधायक ने दावा किया है कि एयरपोर्ट के लिए किसानों ने सकारात्मक नजरिया दिखाया है। रविवार को 118 किसानों ने 240 बीघा जमीन देने की सहमति दे दी है। विधायक धीरेंद्र सिंह ने प्रस्तावित एयरपोर्ट की जद में आ रहे दयानतपुर, रन्हेरा व नंगला छीतर में किसानों के साथ बैठक की।

जेवर विधायक ने किसानों को एयरपोर्ट से होने वाले फायदे बताए

उन्होंने रन्हेरा में युवाओं के सवालों पर कहा कि हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि उसके क्षेत्र में कोई बड़ा प्रॉजेक्ट आए, जिससे युवाओं को रोजगार मिले और उनका जीवन स्तर ऊंचा हो। ऐसा ही मौका जेवर क्षेत्र में आया है। इस दौरान हंसराज सिंह, बलभद्र सिंह, हरिओम सिंह, कालू सिंह, हरविंद्र सिंह, किशोरी सिंह, करुणेश सिंह, मंजीत सिंह, ज्वाला शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, सुशील शर्मा, योगजीत सिंह और धर्मेन्द्र सिवाच मौजूद रहे।

Vartman Satta Noida 03 Sep 2018

जेवर एयरपोर्ट, विधायक का गांवों में दौरा

1688 किसान जमीन देने को तैयार

कार्यालय प्रतिनिधि

ग्रेटर नोएडा। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने बनने वाले नोएडा इंटरनेशनल ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की जद में आ रहे ग्राम दयानतपुर, रन्हेरा व नगला छीतर में किसानों से संवाद करते हुए कहे।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने गाव रन्हेरा में नौजवानों के सवालों का जबाव देते हुए उन्हें समझाया कि "हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि उसके क्षेत्र में कोई बडा प्रोजेक्ट आये, जिससे नौजवानों को रोजगार मिले तथा वहां के निवासियों का जीवन स्तर उन्नत हो सके। आज सालों इंतेजार के बाद यह मौका जेवर क्षेत्र में आया है, जिससे हम अपने साथ-साथ प्रदेश के अन्य जनपदों व अन्य प्रांतो के नौजवानों का भी भला कर सकते है।" जेवर एयरपोर्ट के प्रभावित ग्राम नगला छीतर व नगला शरीफ खान में छोटे किसान व खेती हर मजदूर भी अपने विस्थापन को लेकर चिंतित थे तथा किसान श्री निजामुददीन और कल्लन खान ने अपने भविष्य के प्रति चिंतायें व्यक्त करते हुए अपने विधायक से आश्वासन चाहा, जिस पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने स्पष्ट करते हुए समझाया कि "विस्थापन की नीति में पूरा प्रयास है कि विस्थापित होने वाले लोगों को उन्हीं के गाव के नाम से जाने जाये तथा उनका विस्थापन व्यवस्थित और पूर्ण विकसित जगह पर रोजगार के साधनों के साथ कराया जाए।" इसी प्रकार दयानतपुर गाव के बुजुर्गों ने भी अनेकों शकाओं का समाधान अपने विधायक के साथ बैठकर किया। कल अवकास होने की वजह से विभिन्न ग्रामों के तकरीबन 118 किसानों ने लगभग 240 बीघा जमीन की सहमति दी। अब तक कुल मिलाकर लगभग 1688 किसान 627 हैक्टेयर जमीन देने के लिए सहमति दे चुके हैं। इस मौके पर हंसराज सिंह, बलभद्र सिंह, हरिओम सिंह, कालू सिंह, हरविन्द्र सिंह, किशोरी सिंह, करुनेश सिंह, मंजीत सिंह, ज्वाला शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, मुमत्याज खान, उमर मौहम्मद, कल्लन खान, अबसार, यासीन खान, सुम्मर, उदयवीर सिंह, मुकेश सिंह प्रधान जी, दीपक छौकर, पवन सिंह, ललित सिंह, इसके अलावा पार्टी पदाधिकारी श्री सुशील शर्मा, योगजीत सिंह, तारा सिंह पूर्व प्रधान जी, सूबेदार गनपत सिंह जी, हरकिशन शर्मा, धर्मेन्द्र सिवाच आदि लोग मौजूद रहे।

Hindustan Times Noida 03 Sep 2018

Nearly 1,700 owners have given consent for their land for Jewar airport: MLA

NOIDA: Another 118 owners Sunday agreed for acquisition of their land for a proposed international airport in Jewar, taking to 1,688 the number of villagers who have given their consent, Jewar MLA Dhirendra Singh said.

Singh said this in a statement after interacting with farmers and landowners, at Dayanatpur and Ranhera villages, whose land is to be acquired for the project in Gautam Buddh Nagar district. A total of 5,000 hectares of land is to be acquired for the greenfield airport, the cost of which is estimated to be around ₹20,000 crore. The airport is likely to be operational by 2022-23, if the land is acquired.

More than 1,300 hectare is to be acquired from five villages - Rohi, Parohi, Dayanatpur, Ranhera and Kishorpur - during the first phase of the project by Uttar Pradesh government.

More than 1,300 hectare is to be acquired from five villages - Rohi, Parohi, Dayanatpur, Ranhera and Kishorpur - during the first phase of the project by Uttar Pradesh government.

Singh said he had been touring the region and meeting locals, urging them to give consent for land acquisition, amid doubts among villagers over the compensation amount, related benefits and the resettlement policy. "Today, about 118 farmers from different villages agreed for the acquisition of about 240 bighas of their land in total. So far, about 1,688 farmers have agreed to give 627 hectares of land," the MLA said, according to a statement. PTI

Jai Hind Janab Noida 03 Sep 2018

जेवर एयरपोर्ट बनने के बाद होगा चहुंमुखी विकास

जेवर एयरपोर्ट की राह में किसानों ने दिखाया सकारात्मक नजरिया

सिटी रिपोर्टर

जेवर। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने बनने वाले नोएडा इंटरनेशनल ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की जद में आ रहे ग्राम दयानतपुर, रन्हेरा व नगला छीतर में किसानों से संवाद करते हुए कहे।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने गांव रन्हेरा में नौजवानों के सवालों का जवाब देते हुए उन्हें समझाया कि 'हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि उसके क्षेत्र में कोई बड़ा प्रोजेक्ट आये, जिससे नौजवानों को रोजगार मिले तथा वहां के निवासियों का जीवन स्तर उन्नत हो सके। आज सालों इंतजार के बाद यह मौका जेवर क्षेत्र में आया है, जिससे हम अपने साथ-साथ प्रदेश के अन्य जनपदों व अन्य प्रांतों के नौजवानों का भी भला कर सकते हैं।' जेवर

एयरपोर्ट के प्रभावित ग्राम नगला छीतर व नगला शरीफ खां में छोटे किसान व खेती हर मजदूर भी अपने विस्थापन को लेकर चिंतित थे तथा किसान निजामुद्दीन और काळन खॉन ने अपने भविष्य के प्रति चिंतायें व्यक्त करते हुए अपने विधायक से आश्वासन चाहा, जिस पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने स्पष्ट करते हुए समझाया कि विस्थापन की नीति में पूरा प्रयास है कि विस्थापित होने वाले लोगों को उन्हीं के गांव के नाम से जाने जाये तथा उनका विस्थापन व्यवस्थित और पूर्ण विकसित जगह पर रोजगार के साधनों के साथ कराया जाए।" इसी प्रकार दयानतपुर गांव के बुजुर्गों ने भी अनेकों शंकाओं का समाधान अपने विधायक के साथ बैठकर किया। रविवार का अवकाश होने की वजह से आज भी विभिन्न ग्रामों के तकरीबन 118 किसानों ने लगभग 240 बीघा जमीन की सहमति दी। अब तक कुल मिलाकर लगभग 1688 किसान 627 हैक्टेयर जमीन देने के लिए सहमति दे चुके हैं।

इस मौके पर हंसराज सिंह, बलभद्र सिंह, हरिओम सिंह, कालू सिंह, हरविन्द्र सिंह, किशोरी सिंह, करूनेश सिंह, मंजीत सिंह, ज्वाला शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, मुम्ताज खांन, उमर मौहम्मद, काळन खांन, अकरार, यासीन खांन, सुम्मर, उदयवीर सिंह, मुकेश सिंह प्रधान, दीपक ठौंकर, पवन सिंह, ललित सिंह, इसके अलावा पार्टी पदाधिकारी सुशील शर्मा, योगजीत सिंह, तारा सिंह पूर्व प्रधान जी, सूबेदार गनपत सिंह, हरकिशन शर्मा, धर्मेन्द्र सिवाच आदि लोग मौजूद रहे।

Gaurav Manch Noida 03 Sep 2018

जेवर एयरपोर्ट से लगेंगे प्रदेश को विकास के पंख

विस्थापन नीति साफ, भूमि अधिग्रहण के साथ उपलब्ध कराए जाएंगे रोजगार के साधन: धीरेन्द्र

■ जेवर विधायक ने एयरपोर्ट की जद में आ रहे गांवों के ग्रामीणों के साथ किया संवाद

गौरव मंच न्यूज

ग्रेटर नोएडा। जेवर में प्रस्तावित इन्टरनेशनल एयरपोर्ट के लिए भूमि अधिग्रहण को लेकर किसानों व प्रशासन के साथ चल रही लगातार वार्ता के दौरान रविवार को जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने एयरपोर्ट की जद में आ रहे ग्राम दयानतपुर, रन्हेरा व नगला छीतर के किसानों के साथ संवाद किया।

इस दौरान ग्रामीणों को सम्बोधित करते हुए उन्होंने कहा कि जेवर एयरपोर्ट बनने के बाद जहां स्थानीय लोगों को इसका चहुंमुखी लाभ मिलेगा वहीं, प्रदेश के विकास को भी पंख लगेंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार

किसानों के हित, भविष्य व उनके जीवन यापन को लेकर दृढ़ संकल्पित है।

जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने गांव रन्हेरा में नौजवानों के सवालों का जबाव देते हुए उन्हें समझाया कि हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि उसके क्षेत्र में कोई बड़ा प्रोजेक्ट आये, जिससे नौजवानों को रोजगार मिले तथा वहां के निवासियों का जीवन स्तर उन्नत हो सके। आज सालों इंतेजार के बाद यह मौका जेवर क्षेत्र में आया है, जिससे हम अपने साथ-साथ प्रदेश के अन्य जनपदों व अन्य प्रांतों के नौजवानों का भी भला कर सकते हैं।

इसी प्रकार दयानतपुर गांव के बुजुर्गों ने भी अनेकों शंकाओं का समाधान अपने विधायक के साथ बैठकर किया। रविवार का अवकास होने की वजह से विभिन्न ग्रामों के तकरीबन 118 किसानों ने लगभग 240 बीघा जमीन की सहमति दी। अब तक कुल मिलाकर लगभग 1688 किसान 627 हैक्टेयर जमीन देने के लिए सहमति दे चुके हैं। इस मौके पर हंसराज सिंह, बलभद्र सिंह, हरिओम सिंह, कालू सिंह, हरविन्द्र सिंह, किशोरी सिंह, करूनेश सिंह, मंजीत सिंह, ज्वाला शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, मुम्त्याज खांन, उमर मौहम्मद, कल्लन खान, अबरार, यासीन खांन, सुम्मर, उदयवीर सिंह, मुकेश सिंह प्रधान आदि लोग मौजूद रहे।

Hindustan Noida 03 Sep 2018

जमीन देने के लिए 1668 किसानों ने सहमति दी

जेवर एयरपोर्ट

ग्रेटर नोएडा | वरिष्ठ संवाददाता

उम्मीद

- अफसरों को उम्मीद-सहमति का काम जल्द पूरा हो जाएगा
- जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह भी किसानों को मनाने में जुटे

जेवर एयरपोर्ट के लिए रविवार को अवकाश के दिन भी किसान किसानों ने जमीन के लिए सहमति दी। अब तक 1688 किसानों ने 627 हेक्टेयर जमीन की सहमति दी है। वहीं, जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह भी गांव-गांव पहुंचकर किसानों से वार्ता करके सहमति देने के लिए मना रहे हैं।

रविवार का अवकाश होने की वजह से विभिन्न ग्रामों के तकरीबन 118 किसानों ने करीब 240 बीघा जमीन की सहमति दी है। अब तक 1688 किसानों ने 627 हेक्टेयर जमीन देने की सहमति दी है। अधिकारियों को उम्मीद है कि जल्द ही मानकों के अनुरूप जमीन की सहमति मिल जाएगी।

वहीं, जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने एयरपोर्ट की जमीन के लिए ग्राम दयानतपुर, रन्हेरा व नगला छीतर में किसानों से संवाद किया।

Dainik Jagran Noida 03 Sep 2018

जेवर एयरपोर्ट के लिए रविवार को भी किसानों ने दी सहमति

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : जेवर एयरपोर्ट के लिए रविवार को भी किसानों ने सहमति दी। बारिश के बावजूद किसान सहमति देने के लिए कैंप में पहुंचे। हालांकि उनकी संख्या कम रही। 118 किसानों ने 18 हेक्टेयर जमीन के लिए अपनी सहमति दी। वहीं जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने भी विभिन्न गांवों में जाकर एयरपोर्ट की जमीन अधिग्रहण के लिए किसानों की सहमति बनाने का प्रयास किया। जमीन अधिग्रहण की शंकाओं को लेकर किसानों के सवालों का भी उन्होंने जवाब दिया।

जेवर एयरपोर्ट के लिए रविवार को 118 किसानों ने अपनी सहमति दी। प्राधिकरण व प्रशासन की टीम बारिश के बावजूद किसानों की सहमति लेने के लिए गांवों में पहुंची। हालांकि बारिश के चलते सहमति के लिए आने वाले किसानों की संख्या कम रही। जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने भी सहमति बनाने के लिए दयानतपुर, रन्हेरा, नंगला छीतर आदि गांवों में किसानों के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि जेवर में एयरपोर्ट की स्थापना का लंबे समय से इंतजार था। वर्षों बाद यह परियोजना फलीभूत होने जा रही है। इससे क्षेत्र में विकास होगा। स्थानीय के साथ प्रदेश के अन्य जिलों एवं दूसरे राज्यों के लोगों को भी रोजगार मिलेगा। उन्होंने सभी लोगों से परियोजना के प्रति सकारात्मक रुख दिखाने का आह्वान किया। बैठक में भूमिहीन किसानों ने रोजगार को लेकर अपनी आशंका जाहिर की।

असंतुष्ट किसानों ने मांगा चार गुना मुआवजा

संस, जेवर : जेवर एयरपोर्ट के लिए मुआवजे से असंतुष्ट किसानों ने रविवार को किशोरपुर गांव में पंचायत कर सर्किल रेट का चार गुना मुआवजे की मांग की। पंचायत में आधा दर्जन गांवों के किसानों ने हिस्सा लिया। गांव किशोरपुर के प्राइमरी स्कूल में रविवार को गांव दयानतपुर, बनवारीवास, रन्हेरा, नंगला छीतर, रोही व पारोही के किसानों ने मुआवजे की मांग की। किसानों ने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि यदि सर्किल रेट का चार गुना मुआवजा नहीं दिया गया तो किसान हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाएंगे। जेवर के डिप्टी कलेक्टर अभय कुमार सिंह का कहना है कि जेवर के विधायक धीरेंद्र सिंह ने गांव के प्रधानों व समर्थकों के साथ किसानों को सहमति देने का प्रयास किया है। प्रशासन को उम्मीद है कि विधायक के प्रयास से शीघ्र ही किसान जमीन पर सहमति के लिए तैयार हो जाएंगे।

एयरपोर्ट बनने से एक लाख युवाओं को मिलेगा रोजगार : डॉ. शर्मा

जासं, बुलंदशहर : केंद्रीय मंत्री एवं क्षेत्रीय सांसद डॉ. महेश शर्मा ने कहा कि जेवर एयरपोर्ट बनने से 100 किलोमीटर क्षेत्र का विकास होगा। साथ ही एक लाख युवाओं को रोजगार मिलेगा। देश व प्रदेश के विकास के लिए मोदी व योगी की जरूरत है। रविवार को केंद्रीय वन, पर्यावरण और संस्कृति राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. महेश शर्मा ने सिकंदराबाद में जीटी रोड पर भाजपा कार्यालय का उद्घाटन किया। यहां आयोजित सभा में उन्होंने कहा कि देश व प्रदेश में 65 साल से विकास कार्यों को जंग लगा था। देश में मोदी व प्रदेश में योगी ने इस जंग को खत्म कर विकास कार्य कराए हैं।

Deshbandhu Noida 03 Sep 2018

जेवर एयरपोर्ट की राह में किसानों ने दिखाया सकारात्मक नजरिया

1688 किसानों ने 627 हेक्टेयर जमीन के लिए दी सहमति

ग्रेटर नोएडा, 2 सितम्बर (देशबन्धु)। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने बनने वाले नोएडा इंटरनेशनल ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की जद में आ रहे ग्राम दयानतपुर, रन्हेरा व नगला छीतर में जमीन अधिग्रहण को लेकर सहमति बनाने के लिए कई गांवों में किसानों से संवाद स्थापित किया। जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने गांव रन्हेरा में नौजवानों के सवालों का जवाब देते हुए उन्हें समझाया कि 'हर व्यक्ति की इच्छा होती है कि उसके क्षेत्र में कोई बड़ा प्रोजेक्ट आये, जिससे नौजवानों को रोजगार मिले तथा वहां के निवासियों का जीवन स्तर उन्नत हो सके। आज सालों इंतजार के बाद यह मौका जेवर क्षेत्र में आया है, जिससे हम अपने साथ-साथ प्रदेश के अन्य जनपदों व अन्य प्रांतों के नौजवानों का भी भला

कर सकते हैं। जेवर एयरपोर्ट के प्रभावित ग्राम नगला छीतर व नगला शरीफ खान में छोटे किसान व खेती हर मजदूर अपने विस्थापन को लेकर चिंतित थे तथा किसान निजामुद्दीन और कल्लन खान ने अपने भविष्य के प्रति चिंताएं व्यक्त करते हुए अपने विधायक से आश्वासन चाहा, जिस पर जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने स्पष्ट करते हुए समझाया कि विस्थापन की नीति में पूरा प्रयास है कि विस्थापित होने वाले लोगों को उन्हीं के गांव के नाम से जाने जाए तथा उनका विस्थापन व्यवस्थित और पूर्ण विकसित जगह पर रोजगार के साधनों के साथ कराया जाए। इसी प्रकार दयानतपुर गांव के बुजुर्गों ने भी अनेकों शंकाओं का समाधान अपने विधायक के साथ बैठकर किया। रविवार अवकाश होने की वजह से आज भी विभिन्न ग्रामों के तकरीबन 118 किसानों ने लगभग 240 बीघा जमीन की सहमति दी। अब तक कुल मिलाकर लगभग 1688 किसानों ने 627 हेक्टेयर जमीन देने के लिए सहमति दे चुके हैं। इस मौके पर हंसराज सिंह, बलभद्र सिंह, हरिओम सिंह, कालू सिंह, हरविन्द्र सिंह, किशोरी सिंह, करूनेश सिंह, मंजीत सिंह, ज्वाला शर्मा, देवेन्द्र शर्मा, मुम्त्याज खान, उमर मौहम्मद, कल्लन खान, अबरार, यासीन खान, सुम्मर, उदयवीर सिंह, मुकेश सिंह प्रधान , दीपक छौंकर, पवन सिंह, ललित सिंह, इसके अलावा पार्टी पदाधिकारी सुशील शर्मा, योगजीत सिंह, तारा सिंह पूर्व प्रधान, सूबेदार गनपत सिंह, हरकिशन शर्मा, धर्मेन्द्र सिवाच आदि लोग मौजूद रहे।

Amar Ujala Noida 03 Sep 2018

नोएडा एयरपोर्ट

राजस्व रिकॉर्ड में पुराने मालिक का नाम होने से दिक्कत, बैनामे के बाद 31 दिन में दाखिल खारिज का है प्रावधान

दाखिल खारिज न होने से एयरपोर्ट की जमीन खरीदने में अड़चन

राजेश भाटी

ग्रेटर नोएडा। प्रदेश में जमीन का बैनामा होने के 31 दिन के अंदर दस्तावेज में दाखिल खारिज (म्यूटेशन) करने का प्रावधान है, लेकिन जिले में इसका पालन नहीं हो रहा। दादरी, सदर और जेवर तहसील में कई साल पुराने बैनामों के भी दाखिल खारिज नहीं हुए हैं। इसका असर यह हो रहा है कि नोएडा एयरपोर्ट के लिए जमीन खरीदने में दिक्कत आ रही है। कागजात में जमीन किसी और के

नाम पर और रजिस्ट्री किसी और के नाम पर होने से उलझन हो रही है।

दरअसल, जब भी जमीन की खरीद होती है तो उसका बैनामा होते ही 31 दिन के भीतर खरीदार के नाम चढ़ाने का प्रावधान है। इस दौरान सार्वजनिक सूचना प्रकाशित कर आपत्ति मांगी जाती है। अगर इतने दिनों में रिकॉर्ड नहीं चढ़ता है तो दाखिला खारिज मान लिया जाता है और फिर राजस्व विभाग को अपने रिकॉर्ड में खुद से दर्ज करना पड़ता है। इसे ध्यान में रखते हुए बैनामा होते ही प्रत्येक सबरजिस्ट्रार दफ्तर में होने वाले बैनामों को संबंधित तहसीलों में तत्काल भेज दिया जाता है। तहसीलों में संबंधित तहसीलदार के माध्यम से 31 दिनों के अंदर दाखिल किया जाना चाहिए। अगर किसी ने जमीन के दाखिल खारिज के लिए आपत्ति न लगाई हो, लेकिन तहसील के कर्मचारियों ने दाखिल खारिज को ही कमाई का जरिया बना लिया है।

बिना संपर्क किए या सुविधा शुल्क दिए दाखिल खारिज नहीं करते, जिससे दादरी, सदर और जेवर तहसीलों में सैकड़ों दस्तावेज लंबित हैं। उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। दाखिल खारिज नहीं होने से जमीन की खतौनियों में पुराने मालिक के ही नाम रहते हैं।

कुछ मामले उदाहरण के तौर पर सदर तहसील के कुलेसरा की संगम विहार कालोनी में 19 नवंबर 2014 को मंजू पुत्री रघुवीर ने प्लॉट खरीदा था, लेकिन आज तक दाखिल खारिज नहीं हुआ है। वहीं, 9 मार्च 2015 को मालती शर्मा ने कुलेसरा में प्लॉट खरीदा अभी तक उसका दाखिल खारिज नहीं हुआ है। 5 मई 2018 को प्रेमलता ने प्लॉट खरीदा। सदर तहसील के अधिकारियों ने अभी तक दाखिल खारिज नहीं किया है। ऐसे में दाखिल खारिज न होने से एयरपोर्ट के लिए किसानों से जमीन लेने में परेशानी हो रही है। अधिकांश जमीन को बाहरी लोग खरीद चुके हैं, लेकिन अभी तक उन जमीनों के रजिस्ट्री के दाखिल खारिज नहीं हुए हैं। इससे जमीनों के असली मालिकों तक अधिकारी नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिन किसानों ने जमीन पहले ही बेचकर कीमत ले ली है। उनके द्वारा ठीक से बात नहीं की जा रही है, जिससे विरोधाभास पनप रहा है।

Amar Ujala Noida 03 Sep 2018

अब तक 1688 किसानों ने 627 हेक्टेयर जमीन देने पर दी सहमति

अमर उजाला ब्यूरो

जेवर। एयरपोर्ट के लिए जमीन पर किसानों से सहमति की प्रक्रिया आगे बढ़ रही है। रविवार को 148 किसान लगभग 240 बीघा जमीन देने पर राजी हो गए हैं। इसे मिलाकर अब तक 1688 किसानों ने 627 हेक्टेयर जमीन देने पर सहमति दे दी है।

रविवार को जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने एयरपोर्ट से प्रभावित गांव दयानतपुर, रन्हेरा व नंगला छीतर में किसानों से वार्ता कर सहमति देने की अपील की। जेवर विधायक सुबह से ही इन तीनों गांवों के किसानों के साथ वार्ता करने में जुट गए। उन्होंने किसानों से कहा कि सरकार किसानों का किसी भी कीमत पर अहित नहीं

किसानों से जमीन देने की अपील करते विधायक धीरेंद्र सिंह।

148 किसानों ने लगभग 240 बीघा जमीन देने पर सहमति दी

होने देगी। किसान 70 प्रतिशत सहमति देकर यह तय करें, कि जेवर के किसान जेवर में एयरपोर्ट बनवाना चाहते हैं। उन्होंने साफ किया कि प्रदेश के अलावा देशभर के लोग इस एयरपोर्ट के प्रोजेक्ट को अपने यहां बनता देखना चाहते हैं। प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने जेवर के लोगों की जीवनशैली बदलने के लिए प्रोजेक्ट दिया है। किसान इसके लिए पूरा समर्थन दें। एयरपोर्ट के पहले चरण के लिए कुल 1334 हेक्टेयर जमीन की दरकार है, जिसमें से 116 हेक्टेयर जमीन सरकारी है। शेष जमीन ली जानी है।

Hindustan Noida 02 Sep 2018

विधायक और गांवों के प्रधान किसानों को मनाने में जुटे

ग्रेटर नोएडा/जेवर | संवाददाता

भाजपा विधायक ठाकुर धीरेंन्द्र सिंह ने तहसील प्रशासन के अधिकारियों के साथ शनिवार की सुबह छह गांवों का दौरा कर एयरपोर्ट के लिए अपनी जमीन पर सहमति देने की किसानों से अपील की।

विधायक ने किसानों के सामने एयरपोर्ट में जा रही अपनी ढाई बीघा जमीन देने के लिए हस्ताक्षर किए। इस दौरान कुछ गांवों के प्रधान भी साथ थे। किसानों ने विधायक और अधिकारियों को जमीन देने का आश्वासन दिया।

भाजपा विधायक ठाकुर धीरेन्द्र सिंह शनिवार जेवर क्षेत्र के गांव रोही, किशोरपुर, बनवारीवास, नंगला छीतर, फूल खां, पारोही कई गांवों का दौरा कर किसानों से बातचीत की। इस दौरान कई गांवों के प्रधान व प्रशासन के अधिकारी भी साथ थे। विधायक ने जेवर एयरपोर्ट के लिये और आने वाली पीढ़ी के बच्चों के भविष्य को देखते हुए अपनी जमीन पर सहमति देने की किसानों से अपील की। विधायक पर किसानों ने अपना विश्वास जताते हुए प्रशासन के सामने जमीन देने की सहमति जताई। विधायक ने गांव रोही में अपनी जमीन पर किसानों के सामने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

Amar Ujala Noida 02 Sep 2018

181 और किसानों ने दी जमीन के लिए सहमति

जेवर। जेवर में प्रस्तावित एयरपोर्ट के लिए ली जाने वाली जमीन का मुआवजा बढ़ाने की मांग को लेकर नाराज किसानों से जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह मिलने पहुंचे। प्रभावित पांच गांव में किसानों से विधायक ने एयरपोर्ट के फायदे बताते हुए सहमति देने की अपील की। साथ ही एयरपोर्ट में अधिग्रहण जमीन के पैसे से प्रदेश में खेती की जमीन खरीदने पर स्टांप ड्यूटी में छूट का वादा किया। उन्होंने स्वयं व दो ग्राम प्रधानों के साथ साथ 181 किसानों से सहमति दिलाई।

जेवर विधायक किसानों से वार्ता के लिए रोही गांव पहुंचे,

जेवर में एयरपोर्ट की भूमि अधिग्रहण का मामला

जहां किसानों ने मुआवजा बढ़ाने की मांग के अलावा जमीन अधिग्रहण से मिलने वाले पैसे से जमीन खरीदने पर स्टांप में छूट की मांग रखी। साथ रोही, पारौही व बनवारीवास गांव का पुर्नविस्थापन दयौरार गांव में कराने को कहा। विधायक ने दोनों मांगों पर सरकार से बात कर इसके लिए प्रयास करने का वादा किया। फिर विधायक ने जहगीरा की झोपड़ी, नगला छीतरए नगला शरीफ खां, किशोरपुर व बनवारीवास गांव में किसानों से वार्ता की। ब्यूरो

Dainik Jagran Noida 02 Sep 2018

जागी उम्मीद | अब सिर्फ दो सौ हेक्टेयर के लिए और सहमति पत्र चाहिए, किसानों की संख्या बढ़कर पहुंची 1591

181 और किसानों ने 40 हेक्टेयर जमीन देने के लिए किए हस्ताक्षर

जेवर एयरपोर्ट

जागरण संवाददाता, ग्रेटर नोएडा : सियासतदानों के विरोध के बावजूद जेवर एयरपोर्ट की उम्मीद जगने लगी है। प्राधिकरण और प्रशासन के प्रयास रंग लाने लगे हैं। शनिवार को 181 और किसानों ने अपनी 40 हेक्टेयर जमीन देने के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर कर दिए। प्रशासन को अब तक 598 हेक्टेयर जमीन के लिए सहमति मिल चुकी है। किसानों की संख्या भी बढ़कर 1591 हो गई है। अब सिर्फ दो सौ हेक्टेयर के लिए और सहमति पत्र चाहिए। इसके बाद एयरपोर्ट के लिए जमीन अधिग्रहण शुरू हो जाएगा।

उल्लेखनीय है कि जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट के लिए प्रथम चरण में छह गांवों की 1334 हेक्टेयर जमीन चाहिए। नए भूमि अधिग्रहण कानून के हिसाब से 70 फीसद जमीन के लिए किसानों की सहमति चाहिए। ग्राम समाज की जमीन को छोड़कर प्राधिकरण और प्रशासन

को करीब 850 हेक्टेयर भूमि के लिए सहमति चाहिए। बाकी जमीन के लिए सहमति की जरूरत नहीं पड़ेगी। वहीं, अपने निजी फायदे के लिए राजनीति से जुड़े नेता एयरपोर्ट की बलि देने में लगे थे। एक-दूसरे को श्रेय न चला जाए, इसके लिए एयरपोर्ट में अड़ंगा लगाया जा रहा है। सत्ताधारी दल भाजपा के नेता भी खींचतान में लगे हुए हैं। किसानों को जमीन न देने के लिए उकसाया जा रहा था। इससे जेवर एयरपोर्ट के राजस्थान के अलवर जाने की संभावना बन गई थी। एयरपोर्ट खिसकता देख किसान अब जमीन देने को राजी होने लगे हैं। अब तक 1591 किसान अपनी जमीन देने को तैयार हो गए हैं। प्राधिकरण ने किसानों को सहमति देने के लिए छह सितंबर तक का समय दे रखा है। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले तीन-चार दिन में प्रशासन और प्राधिकरण इस आंकड़े को पार कर लेंगे। इसके बाद जमीन अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। जमीन अधिग्रहण शुरू होने के साथ ही एयरपोर्ट का शिलान्यास भी कराया जाएगा। प्राधिकरण जमीन के लिए सहमति लेने में कामयाब रहा तो अक्टूबर में एयरपोर्ट का शिलान्यास हो सकता है। जिलाधिकारी बीएन सिंह ने कहा कि शीघ्र जमीन के आंकड़े को पार कर लिया जाएगा।

जेवर विधायक ने दी एयरपोर्ट के लिए जमीन की सहमति

बृजेश सिंह तालान ● जेवर

जेवर इंटरनेशनल एयरपोर्ट की उम्मीद अब जगने लगी है। शनिवार को जेवर के भाजपा विधायक धीरेंद्र सिंह ने भी जमीन देने पर सहमति दे दी। शनिवार को विधायक की अपील पर अन्य किसान भी एयरपोर्ट के लिए जमीन देने पर सहमति देने को तैयार हो गए।

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने शनिवार को समर्थकों के साथ रोही गांव पहुंचकर प्रभावित गांवों के किसानों से वार्ता की। विधायक ने किसानों की हर समस्या का समाधान कराने का आश्वासन दिया। इससे पहले किसान किसी जनप्रतिनिधि का सहारा न मिलने से परेशान थे और अपने को ठगा सा महसूस कर रहे थे। शनिवार को जैसे ही धीरेंद्र सिंह ने किसानों को पूरी मदद करने का आश्वासन दिया तो किसान एयरपोर्ट के लिए जमीन देने पर सहमत हो गए। धीरेंद्र सिंह ने किसानों से कहा कि जब क्षेत्र में एयरपोर्ट ही नहीं रहेगा तो किस हक की लड़ाई लड़ी जाएगी। उन्होंने किसानों को उनकी हर समस्या का समाधान सरकार से कराने का आश्वासन दिया। रोही गांव में प्रशासनिक अधिकारियों के बीच पहुंचकर धीरेंद्र सिंह ने रोही गांव स्थित अपनी ढाई बीघा जमीन पर सहमति दे दी। उसके बाद ग्राम प्रधान पति भगवान सिंह ने सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करते हुए ग्रामीणों को सहमति के लिए तैयार किया। उसके बाद विधायक का काफिला किशोरपुर, बनवारीवास आदि गांवों में पहुंचा, जहां विधायक ने गांव के लोगों से सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करने की अपील।

दयोरार गांव के पास बसाया जा सकता है रोही गांव

रोही के ग्रामीणों की मांग पर विचार करने के बाद विधायक ने रोही गांव को नजदीक के गांव दयोरार के पास वनखंडी नामक स्थान पर बसाने के लिए प्रशासन से बात करने का आश्वासन दिया। ग्रामीणों ने बताया कि दयोरार गांव के पास ही वनखंडी नामक स्थान पर ग्रामसभा की 60 बीघा जमीन है, जिस पर रोही गांव को बसाया जा सकता है।

Deshbandhu Noida 02 Sep 2018

जेवर एयरपोर्ट जमीन अधिग्रहण को लेकर सहमति बनाने में अब विधायक जुटे

कई किसानों के साथ विधायक ने की बैठक

ग्रेटर नोएडा, 1 सितम्बर (देशबन्धु)। जेवर एयरपोर्ट निर्माण को लेकर 70 फीसदी किसानों की सहमति न बन पाने के कारण परियोजना खटाई में पड़ने की आंशका को देखते हुए जेवर विधायक धीरेन्द्र सिंह ने पहली बार जेवर एयरपोर्ट से सम्बन्धित ग्रामों रोही, नगला फूल खां, नगला छीतर, नगला शरीफ व बनवारीवास में किसानों के बीच पहुंचे और सहमति दिलाने का प्रयास किया। धीरेन्द्र सिंह ने किसानों से कहा कि आपकी विधानसभा का नाम पूरी दुनिया में नाम हो व अंतरराष्ट्रीय स्तर का बेहतर सुविधाओं वाला एयरपोर्ट आपके क्षेत्र में बने यह सौभाग्य भी आपको ही मिले कि उत्तर प्रदेश के बाकि शहरों को छोड़कर, जेवर में ही बनाए जाने का निर्णय उत्तर प्रदेश सरकार ने लिया। यह आपके अनुकूल हैं तथा चूक करने की दशा में कहीं ऐसा न हो कि पक्षताने के अलावा आपके पास कोई विकल्प न बचे। अत:

सभी को भविष्य ध्यान में रखते हुए, एयरपोर्ट को बनवाए जाने की दिशा में कार्य करना चाहिए। रोही में किसानों ने विस्थापन की समस्याएं रखी, जिसे विधायक ने उनकी सुविधानुसार जगह व अन्य सभी लाभ दिए जाने का आश्वासन दिया। बनवारीपुर में त्रिलोकचंद शर्मा के आवास पर एकत्रित किसानों ने सरकार से ओर अधिक लाभ दिलवाये जाने को कहा व मुआवजे के पैसे से अन्यंत्र जमीन खरीदे जाने के लिए स्टाम्प शुल्क से छूट का प्रस्ताव रखा, जिस पर विधायक ने किसानों को पूर्ण आवश्स्त करते हुए कहा कि जल्द ही सरकार से वार्ता कर, एयरपोर्ट में प्रभावित किसानों को अन्यत्र प्रदेश में कहीं भूमि खरीदने पर उन्हें स्टाम्प शुल्क से पूर्णत मुक्त रखे जाने का प्रयास किया जाएगा। ग्राम रन्हेरा, रोही, किशोरपुर, नगला छीतर, नगला शरीफखां, जहगीरा की झोपडी व बनावारीवास के 159 किसानों ने 32 हेक्टयर जमीन पर एयरपोर्ट बनाए जाने के लिए सहमति प्रदान की। इससे पूर्व 1411 किसानों ने 575 हेक्टयर जमीन देने के लिए सहमति दे चुके हैं। इस मौके पर भगवान सिंह प्रधान रोही, तेजवीर सिंह प्रधान किशोरपुर, शैलेन्द्र सिंह प्रधान बंकापुर, लालमन सिंह प्रधान चौरोली, त्रिलोकचंद शर्मा प्रधान बनवारीवास, शिवारा के पूर्व प्रधान धर्मेन्द्र सिंह, विजय सिंह प्रधान, हंसराज सिंह, योगेन्द्र सिंह छौंकर, बॉबी शर्मा, सतीश शर्मा, महेश प्रधान, के अलावा पार्टी के सुशील शर्मा, तारा सिंह प्रधान, योगजीत सिंह, योगेश पौरूश, डॉ. चन्दर सिंह, विकास सिंह, प्रताप सिंह फौजी, जहूर खांन, निजामुददीन खांन, बल्लन खान, अफसर खान, अबरार खान, हसीन खान, रूकमुददीन खान सुम्मर खान, मंजूर खांन, ताज खां, शौकीन खान, रफीक खांन व शादाब खान आदि लोग मौजूद रहे।